Attachement 2.3

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट

परियोजना का नाम फारकोट से डडुवागाड़ तक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 1.046 हे0 आरक्षित, 1.564 हे0 सिविल, कुल 2.610 हे0 वन भूमि का लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव।

आज दिनाँक 27/10/2018 को लोक निर्माण विभाग के द्वारा फारकोट से डडुवागाड़ तक मोटर मार्ग हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री भाष्करानन्द सती, वन दरोगा नारायणबगड़, राजस्व विभाग की ओर से श्री रजनी रावत, राजस्व उपनिरीक्षक नलगांव, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री नन्दन कुमार, सहायक अभियन्ता, श्री जगमोहन मेहरा, कनिष्ठ अभियन्ता अन्य दावेदारों की ओर से स्थानीय क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में ग्राम प्रधान तुनेड़ा एवं सोल्टा के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेतु भाग लिया गया ।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 863 (मी0) नाप भूमि से, 1666 (मी0) सिविल भूमि से, 1350 (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 0.777 हे0 नाप भूमि, 1.564 हे0 सिविल, 1.046 हे0 आरक्षित, वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 2.610 हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 133 वृक्ष तुन, चीड़, महुवा, जामुन प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 200 मी0 नाप भूमि, 1300 मी0 सिविल वन भूमि, 2500 मी0 आरक्षित वन भूमि, प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 0.180 हे0 नाप भूमि, 1.510 हे0 सिविल, 1.750 हे0 आरक्षित, 1.750 वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 3.260 हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 178 वृक्ष चीड़, उतीस, मेहल, खड़ीक, तुन प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से शून्य बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन है एवं इन कक्षों में तुन, चीड़, महुवा, जामुन प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि पर प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा वन पंचायत भूमि पर चीड़ प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन ..... है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का जी0पी0एस0 मान 30 10′ 56.33″ उ0, 79 21′ 0.36″ पू0 है तथा यह स्थल फारकोट से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल डडुवागाड़ है जिसका जी0पी0एस0 मान 30 11′ 24.45″ उ0, 79 21′ 50.67″ पू0 है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के जी0पी0एस0 मान 30 10′ 59.84″ उ0, 79 21′ 7.61″ पू0 / 30 10′ 59.18″ उ0, 79 21′ 38.59″ पू0 हैं।

चयनित समरेखन में शून्य पौधों को अन्य स्थानन्तरित (translocate) किया जाना आवश्यक होगा । चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा नही है । चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नही होगा ।

इस समरेखण पर उक्त परियोजना के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु किमी0 1, 2, 3 में स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका जी0पी0एस0 मान 30 11′ 7.59″ उ0, 79 21′ 3.89″ पू0/ 30 11′ 0.15″ उ0, 79 21′ 8.05″ पू0 / 30 11′ 6.66″ उ0, 79 21′ 38.14″ पू0 हैं।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
थराली (चमोली)

(राजस्व विभाग प्रतिनिधि)

(वन विभाग प्रतिनिधि)

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
थराली (चमोली)

प्रति हस्ताक्षरित
जिलाधिकारी

तहसीलदार
थराली

प्रति हस्ताक्षरित
प्रभागीय वनाधिकारी

प्रभागीय वनाधिकारी
नन्दीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।